जल संसाधन विभाग की ओर से रिंग बांध पर बनायी जा रही सड़क का काम अंतिम चरण में, एयरफोर्स स्टेशन की भी होगी सुरक्षा

बाढ़ व जलजमाव से सुरक्षित होगा एयरपोर्ट

दरभंगा, निज संवाददाता। दरभंगा एयरपोर्ट एवं एयरफोर्ट स्टेशन के चारों ओर जल संसाधन विभाग की ओर से बनायी जा रही पीसीसी सड़क का काम अंतिम चरण में है। काम पूरा हो जाने पर दरभंगा एयरपोर्ट और एयरफोर्स स्टेशन को बाढ़ व बरसाती जलजमाव से मुक्ति मिल जाएगी।

परिसर से जलनिकासी के लिए जल संसाधन विभाग की ओर से एंटी फ्लड स्लूईस गेट भी बनवाया जा रहा है। मुख्य प्रवेश द्वार के पास बांध के स्लोप पर मिथिला पेंटिंग आर्टवर्क से सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। जल संसाधन मंत्री संजय झा ने मंगलवार को इन सभी कार्यों का निरीक्षण कर कार्य की समीक्षा की और इसे सर्वोत्तम गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि एयरफोर्स स्टेशन के रिंग बांध के 95 मीटर गैप में नये बांध के निर्माण के अलावा रिंग बांध के शीर्ष पर 11,840 मीटर की लंबाई में पीसीसी सड़क बनायी जा रही है।

स्थल निरीक्षण के बाद मंत्री श्री झा ने कहा कि दरभंगा एयरपोर्ट परिसर में बरसात में जलजमाव की स्थिति बन जाती थी। यह आशंका बनी रहती थी कि पानी कहीं रनवे पर न पहुंच जाये। ऐसा होने पर विमानों का परिचालन बाधित हो जाता। पिछले साल दरभंगा एयरपोर्ट के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यहां के अधिकारियों से विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली थी और एयरपोर्ट को बाढ़ तथा जलजमाव से सुरक्षित करने के लिए योजना बनाने का निर्देश जल संसाधन विभाग को दिया था। दरभंगा एयरपोर्ट के विकास से जुड़े मुद्दों पर मुख्यमंत्री ने अप्रैल 2021 में पटना में विशेष बैठक भी की थी। इसमें उन्होंने एयरपोर्ट पर सुविधाओं में वृद्धि के लिए जरूरी निर्देश दिये थे।

नाला लाइनिंग कार्य में तेजी लाने का निर्देश: दरभंगा में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, लहेरियासराय से चट्टी चौक होते हुए हरपट्टी तक नाला लाइनिंग कार्य कराया जा रहा है। मंत्री ने कार्य का स्थल निरीक्षण किया और गुणवत्ता के साथ तथा शीघ्रता से पूरा कराने के लिए निर्देश दिये। इस कार्य से लहेरियासराय की बड़ी आबादी को जलजमाव से मुक्ति मिलेगी।

- मिथिला की प्राचीन कला की मिलेगी झलक
- मंत्री ने काम पूरा करने का दिया निर्देश

अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाने की अपील

शहर के दिल्ली मोड़ के पास स्थित एक होटल में मंगलवार को जल संसाधन विभाग की ओर से 'बिहार इम्बैंकमेंट एसेट मैनेजमेंट सिस्टम' पर वर्कशॉप कम ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने इसका उद्घाटन करते हुए बाढ़ से सुरक्षा तथा तटबंधों के रखरखाव में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विभाग के वरीय अधिकारी एवं अभियंता मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि 'बिहार इम्बैंकमेंट एसेट मैनेजमेंट सिस्टम' को जल संसाधन विभाग की संस्था बाढ़ प्रबंधन सुधार सहायता केंद्र, पटना ने तैयार किया है।

कटाव निरोधी कार्य 30 तक करें पूरा : मंत्री

- समाहरणालय में अफसरों के साथ मंत्री ने की समीक्षा बैठक
- मंत्री ने तटबंधों की सुरक्षा के संबंध में अफसरों ली जानकारी

दरभंगा, निज संवाददाता। समाहरणालय स्थित डॉ. आंबेडकर सभागार में मंगलवार को मंत्री संजय झा की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें दरभंगा, समस्तीपुर, मधुबनी, बेगूसराय व खगड़िया बाढ़ प्रमंडल में बाढ़ पूर्व तटबंधों की सुरक्षा व मजबूतीकरण की समीक्षा की गयी।

जल संसाधन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने मुख्य अभियंता, बाढ़ नियंत्रण व जल निस्सरण से तटबंधों की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। मंत्री ने कटाव निरोधी कार्यों को हर हाल में 30 जून तक समाप्त करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि दरभंगा और मधुबनी में जमींदारी बांध की लम्बाई बहुत ज्यादा है। कई स्थलों पर मनरेगा से छोटे-छोटे कटाव निरोधी कार्य करवाए जा सकते हैं। उन स्थलों की सूची संबंधित डीएम को उपलब्ध करा दी जाए। उन्होंने कहा कि दो से तीन दिनों के अन्दर तटबंधों की चौकसी के लिए मजदूरों की प्रतिनियुक्ति कर ली जाए।

बैठक में बताया गया कुशेश्वरस्थान के 2800 मीटर के कटाव स्थल में कार्य सम्पन्न हो गया है। इसी स्थल से नदी का पानी प्रवेश कर जाता था। अब बहुत हद तक बाढ़ का पानी प्रवेश नहीं कर सकेगा। सचिव ने सभी अभियंताओं को अपने अभियंताओं के साथ स्वयं भी क्षेत्र भ्रमण करते रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि नदी के बीच से यदि कोई बालू या मिट्टी का खनन करना चाहता है तो उसे डीएम अनुमति प्रदान करेंगे। डीएम राजीव रौशन ने भी कई जानकारी दी। बैठक में अपर समाहर्ता (राजस्व) विभूति रंजन चौधरी, सदर एसडीओ स्पर्श गुप्ता, बेनीपुर एसडीओ शंभूनाथ झा, बिरौल एसडीओ संजीव कुमार कापर, भूमि सुधार उप समाहर्ता सादुल हसन खां, उप निदेशक, जनसम्पर्क नागेन्द्र कुमार गुप्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अजय कुमार, डीपीआरओ आलोक राज आदि थे।

डॉ. आंबेडकर सभागार में मंगलवार को बैठक करते मंत्री संजय झा। • हिन्दुस्तान

घनश्यामपुर व तारडीह प्रखंड को बाढ़ से मिलेगी मुक्ति

38 करोड़ 90 लाख रुपये आएगी लागत

75 वें किलोमीटर रसियारी तक होगा सुदृढ़ीकरण कार्य

- पश्चिमी तटबंध के सुदृढ़ीकरण कार्य का किया शुभारंभ
- जयदेवपट्टी से लेकर रसियारी तक किया जाएगा काम

घनश्यामपुर, संवाद सूत्र। हर साल बाढ़ की विभीषिका झेलने वाले घनश्यामपुर व तारडीह प्रखंड को इस समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। जयदेवपट्टी से रसियारी तक कमला बलान पश्चिमी तटबंध के ऊंचीकरण व सुदृढ़ीकरण का काम पूरा हो जाने पर इस समस्या का समाधान हो जाएगा।

जल संसाधन तथा सूचना व जनसंपर्क मंत्री संजय झा ने मंगलवार को इस काम का शुभारंभ किया। घनश्यामपुर के 66.40 किमी जयदेवपट्टी से 75वें किमी रसियारी तक ऊंचीकरण, सुदृढ़ीकरण व मोटरेबुल बनाने के कार्य को बरसात से पूर्व पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। बताया गया है कि लगभग 38 लाख 90 हजार रुपये की प्राक्कलित राशि से यह काम किया जाएगा।

शिलान्यास के बाद लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री संजय झा ने कहा कि वर्ष 2007 की बाढ़ में उन्हें इस क्षेत्र में रहने, घूमने तथा बाढ़ की त्रासदी और लोगों की पीड़ा को नजदीक से देखने का अनुभव है। बाऊर गांव के पास अक्सर तटबंध टूट जाता था। दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, खगड़िया, बेगूसराय आदि बाढ़ प्रभावित जिलों में बाढ़ से लोगों को बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किये जा रहे हैं। कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें जो दायित्व सौंपा है उस कार्य को पूरा करने का वे अथक प्रयास कर रहे हैं।

घनश्यामपुर प्रखंड के रसियारी कैंप के पास मंगलवार को कमला बलान पश्चिमी तटबंध के पूर्वी फ्लैंक का निरीक्षण करते मंत्री संजय झा। • हिन्दुस्तान

आधुनिकतम तकनीक से किये जा रहे काम

मंत्री संजय झा ने कहा कि तटबंधों को टूटने से बचाने के लिए आधुनिकतम तकनीकों की मदद से काम किये जा रहे हैं। कमला बलान तटबंध को मोटरेबुल बना दिये जाने से दो प्रखंडों के लोगों को लगभग 11 किमी सड़क का लाभ मिलने लगेगा। स्थानीय भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव ने कहा कि तटबंध की टेंगहा से जयदेवपट्टी के बीच बचे लगभग दो किमी के सुदृढ़ीकरण का कार्य बरसात के बाद पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में विभाग के अभियंता प्रमुख ई. शैलेंद्र, मुख्य अभियंता रामाशंकर द्विवेदी, सचिव संजय अग्रवाल, एसी ई. प्रियशंकर अप्पू, ईई कुमुद रंजन, एई गुलाम गौस, जेई अश्विनी कुमार ठाकुर, पूर्व प्रमुख अविनाश कुमार झा, संजीव कुमार झा, पूर्व जिप सदस्य दीपक कुमार मिश्र, जदयू प्रखंड अध्यक्ष विनोद मिश्र, प्रभाष कुमार झा आदि मौजूद थे।